



काँगड़ा बैंक पत्रिका

Kangra Bank Patrika

(A Mouth Piece of the Kangra Cooperative Bank Ltd.)

C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110 058

Ph. : 011-25500800, 25515969, Telefax : 011-25525565

E-mail : md@kangrabank.com

वर्ष 4, अंक 43
जुलाई 2017

सम्पादक मण्डल
अध्यक्ष
लक्ष्मी दास
9968279250

सम्पादक
बी. आर. शर्मा
9312223237

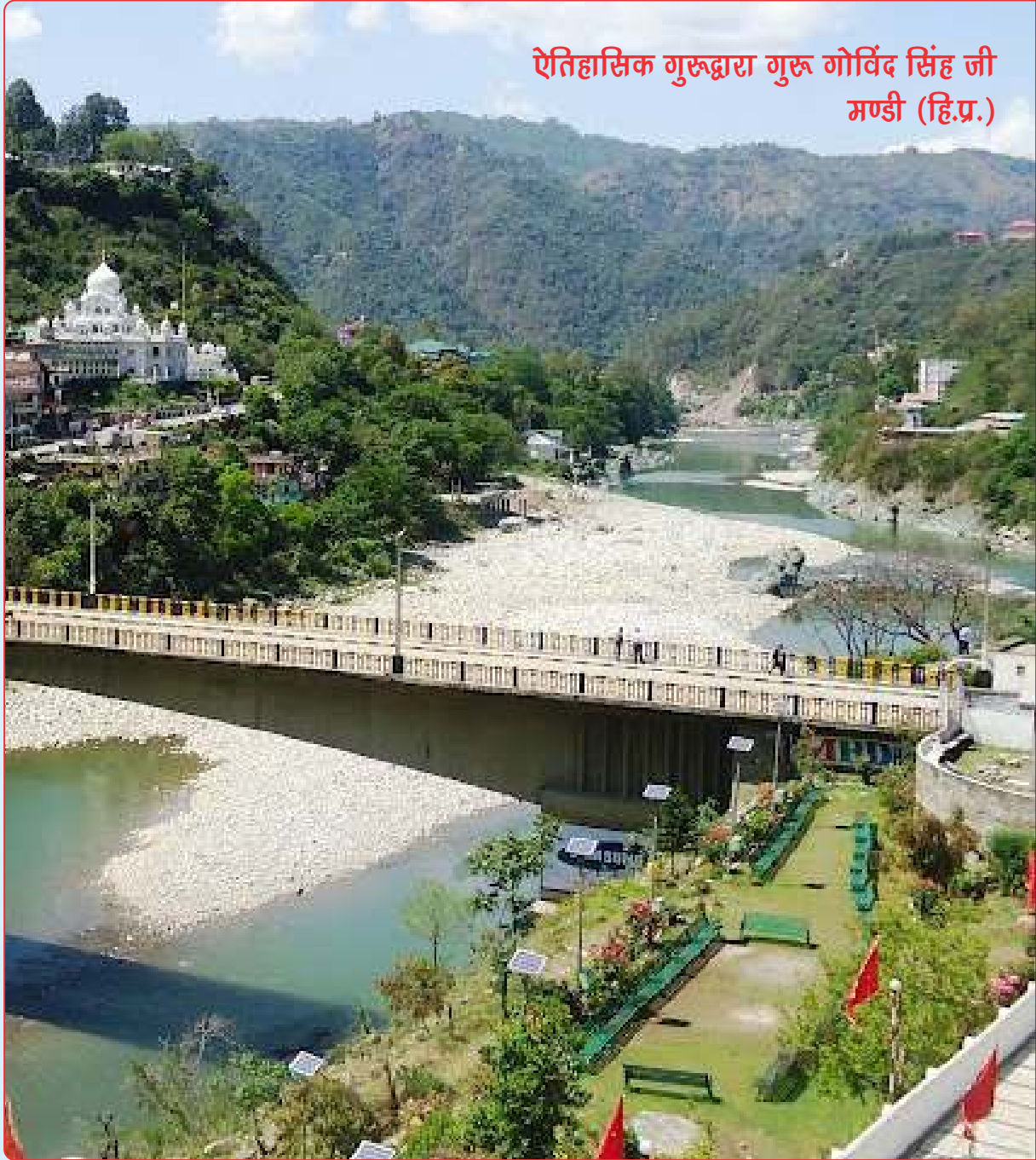
प्रकाशक एवं मुद्रक
अत्तर चन्द परमार
9810742649

सदस्य
स्नेह लता शर्मा
9810509821

सदस्य
जितेन्द्र शर्मा
9971338889

पत्रिका में प्रकाशित विचार
लेखको के अपने हैं।
उनसे सम्पादक का
सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दी काँगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक
लिमिटेड की ओर से सभी
सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस
की ढेर सारी शुभकामनायें



ऐतिहासिक गुरूद्वारा गुरू गोविंद सिंह जी
मण्डी (हि.प्र.)

आपकी समृद्धि, हमारा संकल्प, आओ मिलकर साथ बढ़ें
दी काँगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड



कांगड़ा को-आपरेटिव बैंक के बढ़ते कदम

मार्च 1960 में बनाई गई एक छोटी सी शिफ्ट एण्ड क्रेडिट सोसाइटी आज दिल्ली का सबसे बड़ा सहकारी बैंक बन गया है जिसकी कार्यशील पूंजी (Working Capital) 1000 करोड़ रुपए से अधिक है, जिसके 41000 से अधिक सदस्य हैं जिसमें सदस्यों/गैर सदस्यों ने 1.36 लाख से अधिक भिन्न भिन्न अकाउंट खोले हुए हैं जिसकी वर्तमान 9 शाखाएं हैं तथा जिसकी अपनी करोड़ों रुपए की तीन बिल्डिंगें हैं, जो प्रतिवर्ष अच्छा लाभ कमाता है तथा सदस्यों को 18% का डिविडेंड देता है।

पांच वर्ष के निम्नलिखित आंकड़े बैंक की प्रगति की पुष्टि करते हैं।

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
सदस्य संख्या / Membership	37599	38648	39634	40782	41459
ग्राहक संख्या / No. of Customers	115814	119395	125474	132570	136594

(In Crores)(करोड़ों में)

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
शेयर राशी / Share Money	23.05	20.12	23.74	27.65	31.08
रिजर्व फण्ड / Reserve Fund	24.09	27.16	50.63	57.17	62.61
जमा राशियां / Deposits	482.90	548.65	620.04	736.76	924.22
ऋण / Loans	307.76	355.82	415.63	459.93	493.40
कार्यशील पूंजी / Working Capital	572.27	635.01	713.25	844.01	1046.57
शुद्ध लाभ / Net Profit	9.21	9.76	10.57	13.48	14.16

शुद्ध एन.पी.ए. / Net NPA	0.96%	0.96%	2.29%	1.40%	2.19%
करार / CRAR	14.08%	12.58%	13.01%	12.76%	12.51%

इसके अतिरिक्त बैंक की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख करना भी आवश्यक है -

- 1 बैंक को दिल्ली सरकार तथा दिल्ली स्टेट को-आपरेटिव यूनियन ने पाँच बार अच्छा सहकारी बैंक होने का अवार्ड दिया है।
- 2 बैंक का देश के लगभग 1500 सहकारी बैंकों में से प्रथम 100 बैंकों में नाम है जिसके लिए इसे सम्मानित किया गया है।
- 3 देश के उत्तरी भाग में यह पहला सहकारी बैंक है, जिसने अपने प्लेटफॉर्म से अपने ग्राहकों को RTGS तथा NEFT की सुविधाएँ दी हैं।
- 4 यह दिल्ली का पहला को-आपरेटिव बैंक है जिसने सबसे पहले ए टी एम सुविधा आरम्भ की है तथा अपने DEBIT CARDS issue किए हैं जो देश के सभी बैंकों की ए टी एम मशीनों में चलते हैं।
- 5 बैंक की दो वैलफेयर योजनाएं हैं। एक के अंतर्गत सदस्यों के मेधावी छात्रों को 9 वीं 10वीं 11 वीं तथा 12 वीं श्रेणी में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति दी जाती है तथा जिन छात्रों ने 12वीं क्लास की बोर्ड की परीक्षा 90% तथा उससे अधिक अंक ले कर पास की हो उन्हे बैंक की वार्षिक आम साधारण सभा में आमन्त्रित कर नकद पुरस्कार तथा सम्मान पत्र दिया जाता है। दूसरी योजना के अंतर्गत सदस्य के निधन होने पर 25000/- रुपए तक का अनुदान दिया जाता है तथा 75000/- रुपए तक का ऋण ब्याज मुक्त कर दिया जाता है।

सहकारी बैंक के तीन मुख्य अंग होते हैं ।

1 जनरलबॉडी (सभी बैंक सदस्यों का समूह)

2 निदेशक मण्डल

3 कर्मचारी गण

यदि ये तीनों अंग अपना अपना उत्तरदायित्व ठीक प्रकार से निभाएं तो बैंक प्रगति करेगा। यदि इन तीनों में कहीं कोई अंग कमजोर रह जाता है अथवा अपना उत्तरदायित्व ठीक नहीं निभा पाता तो बैंक की प्रगति में अवरोध हो जाता है।

अब मैं इन तीनों अंगों पर कांगड़ा बैंक के सन्दर्भ में संक्षेप से चर्चा करूंगा।

जनरलबॉडी - कांगड़ा को-आपरेटिव बैंक की जनरलबॉडी सदैव सजग तथा जागरूक रही है तथा उसने निदेशक मण्डल को सदैव सभी प्रकार से बैंक की प्रगति में सहयोग दिया है। उसने अपने सबसे बड़े उत्तरदायित्व (निदेशक मण्डल का चुनाव) को भलीभांति निभाया तथा बड़ी निष्पक्षता से, बड़ी सूझबूझ से बैंक हित को सर्वोपरी मानकर निदेशक मण्डल चुना जिसने सदस्यों के विश्वास के अनुरूप काम किया तथा बैंक को उचाईयों तक पहुंचाने का लगातार प्रयास कर रहा है।

निदेशक मण्डल - बैंक के अच्छे संचालन में निदेशक मण्डल की सबसे बड़ी तथा महत्वपूर्ण भूमिका होती है। निदेशक मण्डल को अच्छी योजनाएँ बनानी होती हैं अच्छे तथा स्पष्ट माप दण्ड निर्धारित करने होते हैं ताकि कर्मचारियों का मार्गदर्शन हो सके। उसे अपने दोनों रेगुलेटरस (REGULATORS) रिजर्व बैंक तथा रजिस्ट्रार को-आपरेटिव सोसाइटीज के आदेशों निर्देशों के अनुरूप चलना होता है अपने निर्णयों में निष्पक्षता वर्तनी होती हैं। कर्मचारियों के हित का ध्यान रखना होता है उन्हें सम्भव सुविधाएँ देनी होती हैं ताकि वे अपना काम सुचारु रूप से कर सकें तथा साथ में वे अनुशासन में भी रहें इसका भी ध्यान रखना होता है।

निदेशक मण्डल सदस्य अनुभवी, ईमानदार, निष्ठावान दूरदर्शी तथा सूझबूझ वाले व्यक्ति तथा सदस्यों के प्रति संवेदनशील तथा सदस्यों की बैंक सम्बन्धी समस्याओं को हल करने योग्य होने चाहिए। उन्हें बैंकिंग का ज्ञान भी होना चाहिए। यदि ऐसे गुणों वाले व्यक्ति निदेशक मण्डल में हों तो उसकी प्रगति में कोई सन्देह नहीं रहता। कांगड़ा बैंक सदैव प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा तथा दिल्ली का सबसे बड़ा सहकारी बैंक बना तथा अब (SCHEDULED BANK) शैड्यूलड बैंक बनने के स्तर तक पहुंच गया है। यह प्रगति इस बात का प्रमाण है कि निदेशक मण्डल ने अपना उत्तरदायित्व भलीभांति निभाया है तथा उसमें वे सभी गुण विद्यमान थे जो एक अच्छे निदेशक मण्डल में होने चाहिए। निदेशक मण्डल के सदस्य लगातार सदस्यों से सम्पर्क रखते हैं उनकी बैंक सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करने का सतत् प्रयास करते हैं। वे बैंक मैनेजर के साथ ऋण लेने वाले सदस्यों से मिलते हैं उनके बारे में जानकारी हासिल करते हैं ताकि उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार आर्थिक सहायता मिल सके। वे उन सदस्यों से भी मिलते हैं जो अपनी ऋण की किरतें नहीं दे रहे हों और उन्हें अहसास करने कि कोशिश करते हैं कि उनके डिफॉल्टर होने से अन्य सदस्यों को कठिनाई होती है तथा बैंक का NPA बढ़ने से बैंक की साख पर बुरा असर पड़ता है। वे नये सदस्य बनने वाले इच्छुक व्यक्तियों के बारे में भी जानकारी इकट्ठी करते हैं ताकि बैंक में अच्छे सदस्य बनें। कांगड़ा बैंक के निदेशक मण्डल में वे सभी गुण हैं जिनकी मैने ऊपर चर्चा की है।

कर्मचारी गण - बैंक की प्रगति में बैंक कर्मचारियों का भारी योगदान रहा है। उन्होंने बड़ी लगन तथा परिश्रम से निदेशक मण्डल द्वारा लिये गए निर्णयों पर पूणतयः अमल किया तथा बैंक ग्राहकों को एक उत्कृष्ट बैंकिंग सेवा प्रदान की।

अंत में मैं यही कहना चाहूंगा की कांगड़ा को-आपरेटिव बैंक की प्रगति में बैंक के तीनों अंगों (जनरलबॉडी, निदेशक मण्डल, कर्मचारी गण) का योगदान रहा है तीनों अंगों ने अपने उत्तरदायित्व अच्छी तरह निभाए हैं और भविष्य में भी ये तीनों अंग मिलकर काम करेंगे तथा बैंक को और प्रगति की ओर ले जाएंगे। जनरलबॉडी सदैव एक अच्छा निदेशक मण्डल चुन कर अपने उत्तरदायित्व को पूरी करती रहेगी तथा निदेशक मण्डल जनरलबॉडी तथा कर्मचारियों को एक साथ लेकर उसी प्रकार बैंक को आगे बढ़ाने का प्रयास करेगा जैसे पिछले कई वर्षों से निदेशक मण्डल करता रहा है।

बी आर शर्मा

वर्तमान चीफ एडवाइजर

एवंम

भूतपूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर

कांगड़ा बैंक-आपका बैंक



- लक्ष्मीदास

कांगड़ा बैंक, एक छोटी सी शुरुआत और आज, दिल्ली में, सहकारी क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक। चालीस हजार से अधिक प्रभावी सदस्य संख्या, 9 शाखाएँ। इस वर्ष रिजर्व बैंक ने, कांगड़ा बैंक के निवेदन पर तीन नई शाखाएँ खोलने की स्वीकृति प्रदान की है। यह शाखाएँ खुल जाने पर कांगड़ा बैंक के पास 12 शाखाएँ हो जायेगी। हम यह प्रयास कर रहे हैं कि जितना जल्दी हो सके नई शाखाएँ खोली जाएं ताकि उत्तम नगर, नांगलोई और रनजीत नगर क्षेत्र के सदस्यों तथा कांगड़ा बैंक से प्यार करने वालों को, अधिक निकट से, कांगड़ा बैंक, अपनी सेवाएँ उपलब्ध करवा सके। यह तीन शाखाएँ खुलने के बाद भी शाखा खोलने की मांग पूरी नहीं हो जाती। शाखाएँ खोलने के लिए लक्ष्मी सूचि है। जहां शाखा खोलने की आवश्यकता है या क्षेत्रीय लोगों की मांग है। हम भी तेज गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। कांगड़ा बैंक का निर्देशक मण्डल भी चाहता है कि अधिक से अधिक काम हो। अधिक से अधिक सुविधाएँ सदस्यों और भावी सदस्यों को उपलब्ध करवाई जाए। परन्तु तेज गति से चलते हुए, यह सावधानी भी रखते हैं कि " आगे दौड़ पीछे चौड़ " वाली लोकोक्ति हमारे ऊपर लागू न हो जाए। तेज चलना चाहते हैं, परन्तु सावधानी से। इसी सावधानी के कारण कांगड़ा बैंक ने जो तरक्की की है, वह सतत जारी है। जहां बैंक के पास कोई छोटा सा भी स्थान बैठने के लिए नहीं था, वहां आज तीन भवन, कांगड़ा बैंक के अपने भवन हैं। दो इमारतें खरीदने की, जनरल बाडी ने स्वीकृति दे रखी है। रोहिणी और अन्य शाखा के लिए जगह खरीदने का प्रयास चल रहा है। बैंक को जगह खरीदने में कई कठिनाईयां आती हैं। जो जगह हमने लेनी है, वह या तो कमर्शियल या सैमी कमर्शियल होनी चाहिए। उसकी कीमत बैंक से ही दी जा सकती है। कुछ सफेद कुछ काला करना हमारे लिए संभव नहीं होता। यह भी ध्यान रहता है कि भवन अपना खरीदना है तो पार्किंग की भी सुविधा हो। मेट्रो स्टेशन या बस स्टैंड निकट हो। हालांकि यह सब बातें एक साथ हो नहीं पाती। फिर भी हमारा प्रयास तो रहता ही है। इसलिए पहले तो जगह मिल जाए, फिर वह कमर्शियल या सैमी कमर्शियल हो। मालिक सारा पैसा बैंक से लेने को तैयार हो जाए। इन सब मुद्दों को जोड़ने में समय लगता है। ऐसी जगह, मिल जाएं, तो दो दिन में, दो मास में मिल जाए और न मिले तो वर्षों लग जाएं। हम सहकारी बैंक हैं। इसलिए कीमत भी, एक प्रश्न के रूप में हमारे सामने रहती ही है। फिर भी तीन भवन इस बैंक ने अपने बनाए हैं। अधिक भवन अपने हो यह प्रयास जारी है। एक समय था जब इस बैंक के अधिकारियों को एक बैंक खरीदना कठिन था। आज हम जब अपनी ब्रांच बनाते हैं या किसी ब्रांच का पुनर्नवीनीकरण करते हैं तो हमारा ध्यान और प्रयास रहता है कि हम किसी राष्ट्रीय या सहकारी बैंक से पीछे न रहें। वह सुविधाएं जो अन्य बैंक, ग्राहकों को उपलब्ध करवाते हैं, हमारे बैंक में भी उपलब्ध होनी चाहिए। एक समय था जब बैंक में एक मैनेजर रखना कठिन होता था आज कांगड़ा बैंक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अतिरिक्त, दो ए. जी.एम हैं। तीन चीफ मैनेजर हैं। तीन सीनियर मैनेजर हैं। 17 डिप्टी मैनेजर हैं और लगभग एक सौ पचास का स्टाफ है जो शाखाएँ, सर्विस ब्रान्च, मुख्य कार्यालय और रिकवरी विभाग का संचालन कर रहा है। लगभग 27 लोगों का सहयोगी स्टाफ है। तीन इंजीनियरों पर आधारित आई.टी विभाग है। कोई समय था जब इस बैंक के सामने प्रश्न होता था कि छोटी सी वेतन वृद्धि भी कैसे करें, वही आज वर्ष 2016-2017 में कुल मिलाकर चार करोड़ लाख रुपये की अतिरिक्त वृद्धि दी गई है और पिछला बकाया दिया गया है। हमें गर्व है कि आज कांगड़ा बैंक का स्टाफ या अधिकारी वेतन के मामले में किसी सहकारी बैंक के अधिकारियों से कम नहीं है। बैंक का लाभ बढ़ना चाहिए इस बात का निदेशक मण्डल हमेशा ध्यान रखता है। लेकिन बैंक की गुणवत्ता में कोई दोष नहीं आना चाहिए इस विषय पर भी हम उत्तम ही जागरूक हैं। इसलिए जहां आपका बैंक हर वर्ष लाभ कमा रहा है, वहीं आवश्यक खर्च भी किये जा रहे हैं। यह बैंक सदस्यों का निदेशक मंडल के प्रति विश्वास ही है कि पिछले पांच वर्षों से आपके द्वारा चुना हुआ निदेशक मण्डल, सदस्यों को 18% डिविडेंड दे रहा है। जो सहकारी बैंकों के लिए निर्धारित की गई उच्चतम

राशि है। इस वर्ष नोट बंदी के कारण तथा सातवे वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करना तथा पिछले बकाया भुगतान आदि के कारण 18% डिविडेंड देना काफी मुश्किल था लेकिन निदेशक मण्डल ने अपनी सूझ बूझ और दूर-दर्शिता का परिचय देते हुए 18% डिविडेंड देने की सिफारिश की है। यदि बैंक की आम सभा इस प्रस्ताव को पारित कर देती है तो पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी सदस्यों को 18% डिविडेंड मिलेगा।

मुझे यह लिखने में अत्यंत हर्ष और समाधान हो रहा है कि कुछ हजार की पूंजी से शुरू होने वाला कांगड़ा को-आपरेटिव बैंक आज एक हजार करोड़ रुपये की पूंजी वाला बैंक बन गया है। हमारा प्रयास था कि इस वर्ष हम कांगड़ा बैंक को शडयूल बैंकों की सूचि में शामिल करवा लेंगे लेकिन बाकी सारी शर्तें पूरी होने के बावजूद हम कांगड़ा बैंक को शडयूल बैंक का दर्जा दिलवाने में सफल नहीं हो पाए क्योंकि शडयूल बैंक बनने के लिए बैंक का एन पी ए निर्धारित 5% या इससे कम होना चाहिए। लेकिन हमारे बैंक का एन पी ए इससे अधिक है। हमारे सारे प्रयासों के बावजूद हमारे बैंक का एन पी ए 6.32% पर आकर रुक गया। यदि ये लोन जो एन पी ए में चले गए हैं, उनकी किश्तें समय पर आ जाती तो कांगड़ा बैंक आज शडयूल बैंक की श्रेणी में शामिल हो गया होता या होने की प्रक्रिया में होता और हम इस बैंक की शाखाएँ, दिल्ली के अतिरिक्त, अन्य प्रांतों में भी खोल रहे होते। परन्तु ऐसा नहीं हो पाया। हम, कर्ज सम्बन्धी प्रार्थना पत्र पर गौर करते समय इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारे सदस्यों को कोई कठिनाई न हो। सदस्यों की आवश्यकताओं को, लोन रूल का ध्यान रखते हुए, पूरी करने का संभव प्रयास करते हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि सदस्य भी बैंक की प्रगति का ध्यान रखते हैं और 94% सदस्य ऐसे हैं जो कर्ज लेते हैं और समय पर किश्तें देते हैं। वे सदस्य अपना व्यापार भी बढ़ाते हैं, अपनी आय भी बढ़ाते हैं, घर भी बनाते हैं, बच्चों को शिक्षा भी दिलाते हैं, गाड़ी/गाड़ियों के मालिक भी बनते हैं और बैंक की प्रगति में भी हिस्से दार बनते हैं। मात्र 6% ऐसे लोग हैं जो कुछ तो मजबूरी में और कुछ जानबूझकर, बैंक का पैसा नहीं देते हैं। इन 6% लोगों के कारण न तो कांगड़ा बैंक शडयूल बैंक बन पा रहा है और न बैंक का सम्मान ही ऊंचा रह पा रहा है। बैंक तो, भारत देश में प्रचलित कानून के अन्तर्गत वसूली के प्रयास करता ही है। यदि हम सब लोग मिलकर या व्यक्तिगत सम्बन्धों का इस्तेमाल करते हुए, डिफॉल्टर सदस्यों पर नैतिक दबाव पैदा करें तो कांगड़ा बैंक, आपका बैंक, देश के सहकारी क्षेत्र की ऊंचाई तक पहुंचे हुए बैंकों में अपना स्थान प्राप्त कर सकता है। आवश्यकता है डिफॉल्टर सदस्य को चिन्हित किया जाए, उनकी मजबूरी या बेइमानी समझी जाए और आवश्यक हो तो उनकी सहायता की जाए और यदि डिफॉल्टर सदस्य के मन में खोट है तो नैतिक दबाव पैदा किया जाए हर काम कानून से ही नहीं होता। समाज का प्रभाव भी बहुत काम करता है। कांगड़ा बैंक का समाज तो कांगड़ा बैंक के सदस्य ही हैं, यह सदस्य 6% की वसूली में बैंक की बड़ी सहायता कर सकते हैं। सहकारी बैंक चलाने में चुनौतियां तो होती ही हैं लेकिन उन सब चुनौतियों को पार करते हुए, उनका मुकाबला करते हुए, बैंक से जुड़े हुए सभी साथी सहयोगियों की मदद से कांगड़ा बैंक दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। इसका हमें समाधान है। कांगड़ा बैंक की प्रगति के लिए प्रार्थना करते हुए, आप सभी को बधाई।

लक्ष्मीदास
अध्यक्ष

"काँगड़ा को-आपरेटिव बैंक में INFORMATION TECHNOLOGY"

अत्तर चंद परमार



काँगड़ा बैंक की प्रगति का इतिहास हमेशा से ही जुझारू प्रवृत्ति के लोगों से जुड़ा होने का रहा है जिन्होंने ने पग-पग पर आने वाली चुनौतियों का सामना बड़ी लग्नता और हिम्मत से करके इस बैंक को दिल्ली प्रदेश के सबसे बड़े सहकारी बैंक का दर्जा पिछले कई वर्षों पहले दिलवाया और वो आज भी बरकरार है। वर्षों के संघर्ष पश्चात वर्ष 1972 में जब ये थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट सोसाइटी से एक प्राइमरी को-आपरेटिव बैंक में तब्दील हुआ तब इस संस्था की जिम्मेदारी उन लोगों के हाथ में थी जो इसकी प्रगति के लिए बड़ी ही निष्ठा और सम्पर्ण की भावना से निरंतर प्रयास करने में जुटे हुए थे। उस समय बैंक की प्रगति को मद्देनजर रखते हुए सम विचार वादी बैंक सदस्यों ने एक ग्रुप अनौपचारिक रूप में बनाया और इस ग्रुप में उन सभी अच्छे लोगों को शामिल किया जो निस्वार्थ भावना से बैंक की सेवा करने में विश्वास रखते थे। इस ग्रुप ने बैंक हितों की रक्षा हेतु समय समय पर अच्छे लोगों को बैंक चुनाव में खड़ा किया तथा उन्हें जितवा कर बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी। बैंक प्रबंधन योग्य सदस्यों के हाथ में आने और उनकी दिन रात की मेहनत के परिणामस्वरूप भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 1995 में बैंकिंग लाइसेंस जारी कर के बैंक को नई शाखायें खोलने की अनुमति प्रदान कर दी।

बैंक की प्रगति के लिए तत्कालीन योग्य निदेशक मंडल ने ये महसूस किया की बैंक की प्रगति तभी संभव होगी जब बैंक अन्य बड़े बैंकों की तरह कम्प्यूटर प्रणाली को अपनाये और समयानुसार अपने सदस्यों को आधुनिक सेवायें प्रदान करे। वर्ष 1995-96 से नई शाखायें खोलने के साथ 2 कम्प्यूटर का प्रयोग बैंक में कैसे और किस रूप में हो इस बारे में भी खोज बीन शुरू कर दी गयी। योग्य बैंक निदेशक मंडल ने हजारों सदस्यों की भावना की कदर रखते हुए अपने अनथक प्रयासों से बैंक में सबसे उत्तम और सस्ते कम्प्यूटर हार्डवेयर और साफ्टवेयर (INFORMATION TECHNOLOGY) का चयन करके उसको बैंक में स्थापित किया और बैंक की प्रगति के स्वर्णिम इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

इस तरह हमारा बैंक दिल्ली राज्य का पहला सहकारी बैंक बन गया जिसमे कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा सदस्यों को सेवायें देने का कार्य किया जा रहा था। इस कार्य को चालू करने और सफलतापूर्वक संपन्न करने में तत्कालीन बैंक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का योगदान उल्लेखनीय रहा जिन्होंने मिलकर बैंक स्टाफ को इस नयी टेक्नोलोजी अपनाने के लिए प्रेरित किया और समय पर पूरा करवाने के लिए प्रोत्साहित किया। ये बात शायद उतनी बड़ी आज नहीं लग रही होगी पर ये उस समय की बहुत बड़ी उपलब्धि थी जिसकी चर्चा सहकारी जगत के हर छोटे बड़े मंच पर होने लगी थी। पाठकों को शायद ये जानकर हैरानी होगी की भारतवर्ष में आज भी ऐसे कई सहकारी बैंक मौजूद हैं जिन्हें अभी तक कम्प्यूटर का प्रयोग नसीब नहीं हुआ।

समय बदलता गया टेक्नोलोजी में तरह तरह के परिवर्तन आये और एक साल पहले की अपनाई हुयी टेक्नोलोजी अप्रचलित (OBSOLETE) होती गयी। बैंक ने भी सामरिक दृष्टी से समय समय पर टेक्नोलोजी में प्रत्याशित परिवर्तन किये। इस समय ब्रांचों में लगाए गए कम्प्यूटर्स का कार्य ब्रांच तक ही सीमित था और उनमे आपस में टेक्नोलोजी के माध्यम से कोई ताल मेल संभव नहीं था। समय आया जब ब्रांचेज को बहुत ही सीमित रूप से ABB (ANY BRANCH BANKING) साफ्टवेयर तथा ROUTERS (NETWORK EQUIPMENTS) तथा COMMUNICATION LEASE LINES द्वारा वर्ष 2006 - 07 जोड़ा गया। ऐसा करने पर बैंक की एक ब्रांच दूसरी ब्रांच से ग्राहकों के लिए सीमित रूप से वित्तीय लेन-देन करने के लिए सक्षम हो गयी।

बैंक ने अन्य बड़े बैंकों की भांति अपनी एक WEBSITE (www.kangrabank.com) का निर्माण किया। WEBSITE निर्माण और इसकी HOSTING तत्कालीन बैंक अध्यक्ष की बेटी ने अपने पिता के आग्रह पर बिपरीत परिस्थियों के बावजूद लगभग अपनी 5-6 महीने की कठिन मेहनत से पूरा किया और अपने इस बैंक को ग्लोबल पहचान (GLOBAL PRESENCE) दिलवाई। यह बात भी उल्लेखनीय है कि इस काम के लिए उसने बैंक से एक पैसा भी नहीं लिया। इसी वर्ष IT सम्बंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिससे भी हमारे बैंक के ताज में एक और कलगी लग गयी। ये निर्णय अपना CTS (CHEQUE TRUNCATION SYSTEM) स्थापित करने का था। बैंक ने बड़ा साहसिक निर्णय लिया और इस नयी टेक्नोलोजी को अपनाया जबकि दूसरे कई साथी बैंक आज तक अपना CTS नहीं लगवा पाए और दूसरे बड़े बैंकों पर निर्भर हैं। इन उपलब्धियों ने एक बार फिर से आपके बैंक को दिल्ली का पहला सहकारी बैंक बना दिया जिसने अपनी WEBSITE बनाकर ABB और CTS प्रणाली चालू की।

महत्वपूर्ण बात ध्यान देने योग्य ये है की ये सब टेक्नोलोजी संबधित निर्णय लेने और उनको बैंक में चालू करने के लिए किसी भी IT एक्सपर्ट की सेवायें नहीं ली गयी और सब कार्य मानद (Honorary) रूप से कार्यान्वित किये गए।

वर्ष 2000-2008 के बीच IT टेक्नोलोजी का बैंकिंग प्रणाली को अत्यधिक आधुनिक बनाने में बहुत बड़ा योगदान मिला जब भारत वर्ष में तकरीबन सभी बड़े बैंकों ने अपने ATM लगवा कर अपने ग्राहकों को केश निकासी की तथा फण्ड ट्रांसफर के लिए इलेक्ट्रॉनिक विधि (RTGS /NEFT) जैसी सुविधायें प्रदान की। बैंक का निदेशक मंडल भी कई वर्ष लगातार इस कशम कश में रहा की हमारा बैंक किस तरह इन सुविधाओं का उपयोग अपने ग्राहकों को मुहैया कराये। बैंक के अधिकांश चालू खाता धारक (CURRENT ACCOUNT HOLDERS) काँगड़ा

बैंक से अपना खाता बंद करवाने पर मजबूर हो रहे थे क्योंकि सरकारी पेमेंट सिर्फ RTGS /NEFT के माध्यम से ही होने लगी थी और ये सुविधा हमारे बैंक में नहीं थी। इसके अतिरिक्त हमारे जागरूक ग्राहक ATM कार्ड की सुविधा के लिए भी जबरदस्त मांग करने लगे थे। बैंक निदेशक मंडल के सामने ये बहुत बड़ी चुनौती आ पड़ी थी की किस तरह से अपने ग्राहकों को खाता बंद करवाने से रोके ताकि बैंक की प्रगति की रफ्तार धीमी न पड़ जाये ।

बैंक के निदेशक मंडल ने वर्ष 2011 के मध्य में इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी तत्कालीन प्रबंध निदेशक - **MANAGING DIRECTOR** (वर्तमान सल्लाहकार & **ADVISOR**) जिन्हे बैंक तथा इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) के साथ काम करने का अनुभव था को दी गयी। प्रबंध निदेशक ने इन विषयों का गहन अध्ययन किया और बैंक निदेशक मंडल के सामने एक पूर्ण रूप रेखा बनाकर अपने सुझाव रखे जिन्हे निदेशक मंडल ने स्वीकार करके आगे बढ़ने का निर्देश दिया। बहुत कठिन परिस्थिति थी। कौन सा काम पहले करें ? कितना बजट बनायें ? किन वेंडर्स (Vendors/ Service Providers) से काम करवायें? कौन RBI मुंबई और दिल्ली में बैंक का प्रीतिनिधित्वा करे ? कौन **IDRBT** (**INSTITUTE FOR DEVELOPMENT AND RESEARCH IN BANKING TECHNOLOGY**) हैदराबाद के सम्पर्क में रहे ? किस क्षमता का सर्वर लगवाएं ? कौन सी कम्पनिकेशन लाइन्स किस क्षमता की लगवाएं ? किस तरह इन सभी संस्थाओं और कई **VENDORS /SERVICE PROVIDERS** के साथ तालमेल करके इन कार्यों को पूरा करें ? सभी चीजों को ध्यान में रखकर चरणवद्ध तरीके से कार्य शुरु किया । सबसे पहले **RTGS /NEFT** प्रोजेक्ट को शुरु किया। ये ऐसा कार्य था जिसके लिए कोई भी संस्था या टेक्निकल एक्सपर्ट सहायता के लिए उपलब्ध नहीं थे । बहुत बड़ा संघर्ष था जिसे दिशाहीन होते हुए करना पड़ा। कहते हैं भगवान उनकी सहायता करते हैं जो अपनी सहायता खुद करते हैं (**God helps those who help themselves**)। हमारे साथ भी भगवान ने ऐसा ही किया और पग- पग पर आने वाली हर मुसीबत का सफाया हुआ और सही दिशा की ओर बढ़ने के लिए रास्ते बनते गए। बहुत लम्बी दास्ताँ है इस संघर्ष की .. कभी मौका मिला तो इस पर विस्तार से जरूर लिखूंगा। संक्षिप्त में, यह प्रोजेक्ट तय की गयी समय सीमा से पहले और बजट राशि से कम खर्च करके आपके बैंक ने पूरा किया। बैंक के इतिहास में ये बैंक के लिए एक ऐसी उपलब्धि थी जिसे हिंदुस्तान के बड़े बड़े बैंक भी प्राप्त नहीं कर पाए थे। इस तरह आपका बैंक उत्तरी क्षेत्र के सभी सहकारी बैंकों को पीछे छोड़कर **RTGS /NEFT** सुविधा प्रदान करवाने वाला पहला बैंक बन गया। इस उपलब्धि की महिमा इस तथ्य से आसानी से की जा सकती है की हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक जिसकी 200 से अधिक ब्रांचें हैं और जो सम्पूर्ण रूप से साधन संपन्न होते हुए भी इस टेक्नोलोजी (**RTGS /NEFT**) को अपने आप नहीं अपना सका और आज भी **YES BANK** के माध्यम से ये सुविधा ग्राहकों को दी जाती है। लेखक सहित तमाम टीम मेंबर्स को इस प्रोजेक्ट के पूर्ण होने पर जो खुशी हुई उतनी **MOUNT EVEREST** की चोटी पर चढ़ाई करने पर शायद श्री **Edmund Hillary** और श्री **Tenzing Norgay** को भी नहीं हुई होगी क्योंकि **RTGS /NEFT** प्रोजेक्ट बैंक के लिए किसी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने से कम नहीं था।

RTGS /NEFT के सुविधायें उपलब्ध करवाने पश्चात्बैंक निदेशक मंडल के आदेशानुसार **ATM** और **POS** की सुविधा देने के लिए प्रबंध निदेशक ने बैंक **IT MANAGER** को साथ लेकर चर्चा की और ये पाया की ये सभी सुविधायें और आने वाले बेहतर कल के लिए बैंक में **CBS** (**CORE BANKING SOLUTION**) का होना अत्यंत आवश्यक है। बैंक निदेशक मंडल की मीटिंग में एक विस्तृत रिपोर्ट तथ्यों सहित रखी गयी और **CBS** की महत्ता को जोरदार तरीके से बहस का हिस्सा बनाते हुए **CBS** को बैंक में चालू करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैंक निदेशक मंडल द्वारा गठित **COMPUTER COMMITTEE** के तत्वाधान में बैंक में **CBS** के स्थापना हेतु आवश्यक गतिविधियाँ ... मसलन टेंडर बनाना/निकालना, **VENDORS** को **SHORTLIST** करना, **VENDORS** के **SOLUTION** का अवलोकन करना तथा सबसे अच्छे, सस्ते और बैंक के लिए उपयोगी **CBS Solution** का चयन करना इत्यादि शुरु की गयीं और सारे प्रोजेक्ट को सभी नियमों का पालन करते हुए लगभग 8 महीने की कड़ी मेहनत से बैंक स्टाफ मेंबर्स और चयनित वेंडर ने पूरा किया। बैंक के लिए ये एक ऐसा पायदान मिला जिस पर खड़ा होने के पश्चात् बैंक में **IT** और **IT** से जुड़ी सुविधायें मुहैया करवाने के लिए सभी रास्ते बाहें फेला कर स्वागत के लिए तैयार खड़े थे। बैंक में **ATM** और **POS** द्वारा वित्तीय लेन- देन करना, **SMS** अलर्ट मैसेज भेजना, **ECS** क्लियरिंग करना, इ-मेल बैंक स्टेटमेंट भेजना, मोबाइल पर बैलेंस इंचवारी करना इत्यादि ऐसी अनगिनत सुविधायें जो अन्य बैंक दे रहे थे हमारे बैंक के लिए कुछ हद तक ये राहें आसान हो गयी थीं। बैंक निदेशक मंडल और स्टाफ मेंबर्स की मेहनत से बैंक में यह बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की जिसे सारे बैंक की ब्रांचेज आपस में **CBS** नेटवर्क के माध्यम से जुड़ गयी और ग्राहकों को सुविधायें किसी भी ब्रांच से लेने का अवसर मिल गया। आपके बैंक के योग्य निदेशक मंडल, निदेशक मंडल द्वारा गठित कंप्यूटर समिति और स्टाफ मेंबर्स की दूरदर्शिता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है की **CBS** सोलुशन हमारे बैंक में दिसम्बर, 2012 से सुचारु रूप से चलना शुरु हो गया था जबकि **RBI** ने सहकारी बैंकों को **CBS** चालू करने के लिए मार्च 2013 में लिखा था और इसे पूरा करने का समय दिसंबर 2013 दिया था। इस बार भी हमारा बैंक दिल्ली के सभी सहकारी बैंकों को पीछे छोड़ कर पहला **CBS ENABLED** बैंक बन गया। **CBS ENABLED** बैंक बनने के पश्चात् आपके बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए बहुत सारी नयी नयी सुविधाओं की शुरुआत समय समय पर की। कंप्यूटर समिति की सकारात्मक सोच और आवश्यक सहायता ने इन प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में बहुत बड़ी भूमिका निभायी, जिसके लिए लेखक अपना हार्दिक धन्यवाद प्रकट करता है। आज हमारा बैंक सभी मापदंडों के अनुसार **IT** और **IT ENABLED SERVICES** देने में दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अपैक्स बैंक ..दिल्ली स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड से भी कई कदम आगे चल रहा है। आज हमारा बैंक पिछले कई वर्षों से मुख्यता निम्नलिखित **IT** सम्बंधित सेवायें बिना किसी व्यवधान से दे रहा है जो आज भी अधिकांश बैंक नहीं दे पा रहे हैं।

- 1) बैंक में अपना **RTGS /NEFT** सरवर और सिस्टम है जिस से हिंदुस्तान के किसी भी बैंक की किसी भी शाखा में /से पैसा भेजने/मंगवाने की सुविधा है। दिल्ली के अन्य सहकारी बैंक ये सेवा दूसरे बैंक की मदद से कर रहे हैं।
- 2) आपके बैंक की छः शाखाओं में अपने **ATM** स्थापित हैं और इन **ATM** से कोई भी व्यक्ति किसी भी बैंक **ATM** कार्ड से पैसा निकलवा

सकता है। बैंक ने अपने ATM कार्ड्स भी अपने ग्राहकों को दिए हैं जिनका उपयोग हिंदुस्तान में किसी भी बैंक द्वारा स्थापित ATMS जो संख्या में लगभग 2 लाख है और NATIONAL FINANCIAL SWITCH (NFS) नेटवर्क के माध्यम से एक दुसरे से जुड़े हुए हैं में किया जा सकता है और आपको सफर में भारी कैश ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये सुविधा दिल्ली में सिर्फ एक और सहकारी बैंक के पास है जिसका ATM लगवाने का काम हमसे पहले शुरू किया गया था और हमारे बैंक से लगभग एक साल बाद पूरा हुआ।

- 3) बैंक ने पीछे जो दो ब्रांचेज वर्ष 2014 के शुरू में खोली थी वो खुलने के साथ ही CBS ENABLED कर दी थी।
- 4) अपने खाते के बैलेंस और पिछले चार ट्रांसक्शन की जानकारी कहीं भी और कभी भी ग्राहक अपने मोबाइल फोन से ले सकते हैं।
- 5) आपका बैंक अपने ग्राहकों को उनके आग्रह पर उनके खातों की स्टेटमेंट्स इ-मेल द्वारा पिछले दो वर्षों से भेज रहा है।
- 6) ग्राहकों को उनके खातों में किये गए किसी भी वित्तीय लेन-देन की जानकारी SMS द्वारा उनके मोबाइल फोन पर पिछले चार वर्षों से दी जा रही है।
- 7) ग्राहकों को उन द्वारा दी जाने वाली लोन की किश्त की सूचना देय तिथि से पांच दिन पहले SMS द्वारा उनके रजिस्टर्ड मोबाइल फोन पर दी जाती है ताकि वे किश्त भुगतान के लिए अपने खाते में आवश्यक बैलेंस रखें।
- 8) आप अपने खाते से बैंक की किसी भी ब्रांच से किसी भी तरह का वित्तीय लेन-देन कर सकते हैं।
- 9) बैंक द्वारा जारी किये गए ATM कार्ड्स से आप किसी भी शो रूम, पेट्रोल पंप, होटल, हॉस्पिटल, दवाई विक्रेता के पास लगी POS (POINT OF SALES) मशीन से भुगतान कर सकते हैं जिससे आपको कैश ले जाने और देने की जरूरत नहीं पड़ती।
- 10) बैंक द्वारा जारी किये गए ATM कार्ड्स से आप घर बैठे इंटरनेट का प्रयोग करके बिजली बिल, पानी बिल, टेलफोन्स और मोबाइल्स बिल, हाउस टैक्स इत्यादि का भुगतान कर सकते हैं।
- 11) बैंक द्वारा जारी किये गए ATM कार्ड्स से आप घर बैठे इंटरनेट का प्रयोग करके AIR / RAIL और लम्बी दूरी तय करने वाली चुनिंदा बस की टिकट बुकिंग कर सकते हैं तथा METRO PASS भी बनवा सकते हैं।
- 12) बैंक और बैंक में दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी बैंक WEBSITE (WWW.KANGRABANK.COM) पर दी जाती है जिसे कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी भी स्थान से इंटरनेट के माध्यम से ले सकता है।
- 13) बैंक के आला ऑफिसर्स / निदेशक मंडल के किसी भी सदस्य से बिलम्ब रहित पत्रचार इ-मेल से कर सकते हैं। बैंक का अपना ईमेल डोमेन (chairman@kangrabank.com] ceo@kangrabank.com etc.) है।

उपर्युक्त Information Technology (IT) सम्बंधित सेवाओं को किस तरह और भी User Friendly बनाया जाये तथा और कौन सी अन्य सुविधायें IT के माध्यम से 'इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग (Internet and Mobile Banking) जैसी सुविधाओं को किस तरह जल्द से जल्द मुहैया करवाएं, इस दिशा में कार्य प्रगति पर है। ये सभी कार्य गिनती में शायद कम नजर आ रहे हों पर IT और networking technology के माध्यम से जिस तरह हिंदुस्तान के सभी बैंकों और उनसे सम्बंधित ATMS और POS Machines से आपके बैंक को जोड़ा गया है ... इस बात की कल्पना करना और इसे कामयाबी में तब्दील करना किसी भी संस्था के लिए गर्व की बात है। लेखक बैंक के इस IT सफर के अग्रणी खोजी मुसाफिरों में से एक मुसाफिर रहा है और उसे इस रामसेतु रूपी बैंक IT infrastructure को खड़ा करने की टोली में काम करने का अवसर मिला। इन उपलब्धियों को पाने में बैंक टीम को किन किन कठिनाईओं से जूझना पड़ा होगा और किस तरह इतने बड़े बड़े IT / network projects को सीमित साधनों और संसाधनों के होते हुए लगभग 20 से ज्यादा vendors /service providers की सेवाओं को लेते हुए कामयाब किया.. इसका जिक्र करना अत्यंत कठिन है.. कहते हैं कामयाबी हासिल होने की खुशी सभी कठिनाईओं और बिपरीत परिस्थितियों जिनका सामना करना पड़ा हो बड़ी आसानी से नजर अंदाज कर देती है। आपके द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों (Directors) ने किस तरह अपनी जिम्मेदारी बैंक स्टाफ के साथ मिलकर आपकी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप समय समय पर बखूबी से निभायी, बैंक में IT का उपयुक्त प्रयोग, उपयुक्त समय पर और उपयुक्त दाम पर करना और बैंक का ऊँची बुलदियों पर पहुंचना अपने आप में उसकी एक बहुत बड़ी मिशाल है।

चाणक्य का कहा हुआ ...' कोई वस्तु पहुँच से कितनी भी दूर क्यों न हो, उसका मिलना कठिन क्यों न हो, कठिन तपस्या और परिश्रम से उसे भी पाया जा सकता है '... बस इसी धारणा को गुरु मन्त्र मान कर उपर्युक्त सभी कार्य बैंक की सेवा में निदेशक मंडल (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) ने शुरू किये और उन्हें पूरा करने में आशातीत सफलता प्राप्त की।

सोचने वाली बात ये भी है कि यदि ये सब इतना आसान होता तो दिल्ली तथा हिंदुस्तान के अन्य साथी बैंक इन सुविधाओं को लागू करने में आज भी क्यों पीछे हैं? निःसंदेह ये सब बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण कार्य हैं जिन्हें आपके बैंक ने पूरा कर के नए नए कीर्तिमान स्थापित किये और बैंक की प्रगति की रफ्तार में दिन दूनी- रात चौगनी वृद्धि की। कहते हैं किसी संस्था का निर्माण यदि अच्छे व्यक्तियों द्वारा अच्छी सोच रख कर किया गया हो और उसका समग्र विकास निस्वार्थ भावना से अच्छे लोगों द्वारा निरंतर किया जा रहा हो, वह संस्था देश निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाती है। हमारी संस्था (बैंक) राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में कितनी सफल रही? फैंसला पाठकों एवं बैंक के सदस्यों पर छोड़ रहा हूँ।

अत्तर चन्द परमार
सल्लाहकार

बैंक सदस्यों को भावभीनी श्रद्धांजलि
(अप्रैल 2017 में बैंक द्वारा प्राप्त सूचना अनुसार)

M.SHIP NO.	M.SHIP A/C	NAME	M.SHIP NO.	M.SHIP A/C	NAME
PG 1/44	4008	VISHWA NATH SHARMA	JK 2/239	5859	CHAMAN LAL MAHAJAN
PG 56/83	18672	DEEP KUMAR	JK 1/241	20877	MOHINDER SINGH VASHISHT
PG 79/784	54791	SURESH KUMAR	RN 18/238	43052	NIRMAL SINGH
PG 79/88	48322	KRISHAN PAL SHARMA	RN 8/191	29562	VIRENDER KUMAR VERMA
PG 59/249	19738	KULWARNJIT SINGH	RN 6/38	5566	OM PARKAHS DOGRA
PG 36/177	11866	AMAR NATH	RN 12/299	33856	ONKAR SINGH RANA
PG 33/283	11072	BALDEV SINGH	GP 16/654	43970	PAWAN KUMAR
PG 26/258	8945	JIWAN KUMAR	GP 6/119	26647	DIDAR SINGH
PG 6/267	2193	ROSHAN LAL	SB 2/536	13067	SANTOSH KUTHIALA
JK 23/300	40349	K.C.MAGGAR	GP 5/293	26521	PARWINDER KAUR
JK 13/74	30897	INDRA SHARMA	GP 5/193	14244	BALBIR SINGH
JK 20/19	14872	SHANKAR SINGH	JK 4/252	22326	DHARAMVIR VERMA

-----: सभी बैंक सदस्यों के ध्यानार्थ :------

बैंक की 49वीं वार्षिक आम साधारण सभा नूतन मराठी स्कूल (पहाड़गंज थाने के पीछे) रविवार दिनांक 27 अगस्त, 2017 को आयोजित की जा रही है जिसकी सूचना हमेशा की तरह सभी बैंक सदस्यों को अलग से भेजी जाएगी। सदस्यों से आग्रह है कि वह इस सभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करके सभा का मान बढ़ायें।

With best compliments from :



AMAR TAXI SERVICES

Complete solution for Car rental service

Approved By Ministry Of Tourism (Govt. of India)

Proprietor - Sardar Kulvinder Singh (Tikka) 9810035072

Tees January Marg, Opp. Claridges Hotel, New Delhi-110011
Ph. : 011-23014272, 23794767 , 9810037072 Fax : 23014726
E-mail : - amar3t@yahoo.com Web. : www.amartaxiservice.in

Date of Publication : 13th-14th/07/17

Reg. No. DELBIL/2013/50868

प्रकाशक एवं मुद्रक ए. सी. परमार, निवासी B 702, महालक्ष्मी अपार्टमेन्ट, सेक्टर 2, द्वारका, नई दिल्ली द्वारा दी कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लि.
सी-29, कम्प्यूनिटी सेंटर, पंखा रोड, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
के लिए प्रकाशित तथा मैसर्स रॉयल इम्प्रेशन, 94 स्टेट बैंक नगर, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063 द्वारा मुद्रित, सम्पादक: बी.आर.शर्मा